

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी जायल जिला नागीर
पिठारीन अधिकारी श्री सुरेश कुमार प्रथम (आर0ए0एस0)

राजस्थान वाद संख्या- 09/2018

1- खिंवरज पुत्र किरानाराम जाति जाट निवारी डिडिया खुर्द तहसील जायल।

.....वादीगण

बनाम

1- मेहराम पुत्र किरानाराम

2- किरानाराम पुत्र गंगाराम जाति जाट निवारी डिडिया खुर्द तहसील जायल।

2- सरकार जरिये तहसीलदार जायल जिला नागीर।

..... प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 53 व 88 राजस्थान कारशकारी अधिनियम

उपरिथत अधिवक्तागण:-

1- श्री जीयाराम गोदारा वादीगण की ओर से।

2- श्री शिवकुमार पाराशर प्रतिवादी सं. 01 व 02 की ओर से।

-: निर्णय :-

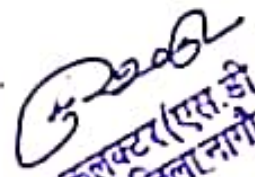
दिनांक : 28.08.19

वादी वादीगण का संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि वादीगण व प्रतिवादीगण एक ही परिवार के सदस्य हैं वादीगण व प्रतिवादीगण के बंजर की पुश्तानी भूमि मौजा डिडिया खुर्द के खेत खसरा नम्बर 167 रकबा 14 बीघा 08 बिस्वा, खेत खसरा नं. 171 रकबा 06 बीघा 19 बिस्वा, खेत खसरा नं. 195 रकबा 08 बीघा 19 बिस्वा रहती चली आई है। वादीगण व प्रतिवादीगण आपसी सहमति व जुवानी बंटवाडा सम्वत 2065 की आखातीज को कर लिया है। बंटवाडा स्कीम निम्न प्रकार है:-

1. यह है कि वादी सं. 01 खिंवरज के हक बंट कब्जाकाशत व खातेदारी में वाके मौजा डिडिया खुर्द के खेत खसरा नं. 164 रकबा 14 बीघा 08 बिस्वा रखा गया।
2. यह है कि प्रतिवादी सं. 01 मेहराम के हक बंट खातेदारी में वाके मौजा डिडिया खुर्द खेत खसरा नं. 171 रकबा 06 बीघा 19 बिस्वा, व खेत खसरा नं. 195 रकबा 08 बीघा 19 बिस्वा रखा गया है।
3. प्रतिवादी सं. 02 किरानाराम के हक बंट व कब्जाकाशत में अत्यधिक वृद्ध होने से व खेती कर पाने में असमर्थ होने से मुतदाविया भूमि में कोई हक बंट नहीं रखा है एवं इनके हक बंट में घर व नगदी रखा गया है।

अतः दावा पेश कर इस्तदुआ वादीगण है कि वाद के पैरा संख्या 02 के उप पैरा क व ख के अनुसार डिक्ली सादिर फरामाई जावे।

वाद वादीगण का दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को नोटिस जारी किये गये। प्रतिवादी सं. 01 व 02 की ओर से वकील श्री शिवकुमार पाराशर ने बकालतनामा मय ईकवाली


सहायक कलक्टर (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागीर

जवाब पेश किया। वकील वादी व वकील प्रतिवादी सं. 01 व 02 की ओर से इनकी पहचान
देकर इन की और से राजीनामा पेश किया।

वादीगण व प्रतिवादीगण सं. 01 व 02 के बीच राजीनामा होने के कारण वाद में
विवादात्मक बिन्दु तय नहीं किये गये। प्रकरण में विद्वान अधिवक्ताओं वकील वादीगण व वकील
प्रतिवादीगण सं. 01 व 02 की बहस सुनी गई। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को
दोहराते हुए वाद पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार खातेदारी घोषित की जाकर राजस्व रिकॉर्ड में
अमल दरामद हेतु तहसीलदार जायल को तहसीर जारी की जाकर वाद को निर्णित करते हुए
वाद को डिक्री किये जाने का अनुरोध किया।

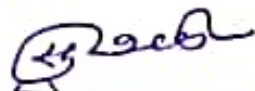
पत्रावली का अवलोकन किया गया। विद्वान अधिवक्ताओं की बहस पर मगन किया
गया। सभी पक्षकारों में राजीनामा होने के कारण राजीनामे के अनुसार वादीगण का वाद निम्न
प्रकार से स्वीकार कर डिक्री किया जाता है :-

1. यह है कि वादी सं. 01 खिंवरज के हक बंट कब्जाकाशत व खातेदारी में बाके मौजा
डिडिया खुर्द के खेत खसरा नं. 164 रकबा 14 बीघा 08 बिस्वा रखा गया।
2. यह है कि प्रतिवादी सं. 01 मेहराम के हक बंट खातेदारी में बाके मौजा डिडिया खुर्द
खेत खसरा नं. 171 रकबा 06 बीघा 19 बिस्वा, व खेत खसरा नं. 195 रकबा 08 बीघा
19 बिस्वा रखा गया है।
3. प्रतिवादी सं. 02 किरानाराम के हक बंट व कब्जाकाशत में अत्यधिक वृद्ध होने से व
खेती कर पाने में असमर्थ होने से मुतदाविया भूमि में कोई हक बंट नहीं रखा है एवं
इनके हक बंट में घर व नगदी रखा गया है।

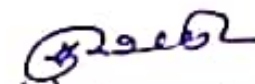
-: आदेश :-

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादीगण का स्वीकार किया
जाकर डिक्री किया जाता है। इसी माफिक डिक्री पर्चा भरा जाकर तहसीलदार जायल को
राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हेतु तहसीर जारी हो।




(सुरेश कुमार प्रथम)
उपस्थक अधिवक्ता (पितृजीयले)
जायल, जिला नौगाँव

निर्णय आज दिनांक 28.08.19 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी
कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(सुरेश कुमार प्रथम)
उपस्थक अधिवक्ता (पितृजीयले)
जायल, जिला नौगाँव